



यदि आप अपने जीवन में सफलताओं का आनंद लेना चाहते हैं तो आपने जीवन में कठिनाई को कभी आने से नहीं रोके।

न्यूज गैलरी

अर्जुन मुंडा को मिली अहम जिम्मेदारी, बने पर्यवेक्षक

रांची। गुजरात में भीजोपी की प्रबंध जीत के बाद अब वहां रस्कर बनाने की कवायद तेज हो गी है। अहमदाबाद से लेकर दिल्ली तक की राजनीति

गुजरात में नयी सरकार के गठन को लेकर के रणनीति बाने में जुटी है। इसी क्रम में भाजपा के नवाचूप में गुजरात में मुख्यमंत्री चर्चा के लिए संसदीय बोर्ड का गठन कर दिया है। भीजोपी के केंद्रीय नेतृत्व ने भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड में विधायक दल का नेता चुनने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक के तरफ पर जिन्हें भेजा गया है उनमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कानूनक तक पूर्ण मुख्यमंत्री वीएस येदुरप्पा और केंद्रीय जनतायारी कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को रखा गया है। गुजरात में मुख्यमंत्री के बराबर के लेकर के जारीखंड से अर्जुन मुंडा को संसदीय बोर्ड की टीम में शामिल किया जाने के लेकर बाही तरफ के तौर पर जिन्हें भी जारी रखा गया है उसका काफी बीजोपी लेना चाही ही तकि गुजरात के जारीखंड में तैयारी के तौर पर भंजाया जा सके।

हाईकोर्ट ने जतायी नाराजगी
रांची। 10 जून को रांची में हुई हिसा की पुलिस और सीआईडी दोनों से जार करायी जाने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जतायी है। अदालत ने राज्य के गृह विधियां और डीआईडी को 15 दिसम्बर को अदालत में हाजिर होकर जावाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट के बीच जिटिस जिटिस डॉ. रोज़ जंजन और जिटिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने मीठिकुरु रूप से कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार मामले की सही जांच नहीं चाही है। इस मामले में दर्ज कुछ केस पुलिस और कुछ सीआईडी जांच रही है। ऐसा कर अनुरोधित को खाली करना प्रयास किया जा रहा है, तभी भी सीआईडी और पुलिस की रिपोर्ट में अंतर आ जाये और पिछे जांच समाप्त हो जाये।

देवघर के तत्कालीन अंचल अधिकारी पर होगी कार्रवाई

रांची। राज्य सरकार ने देवघर के तत्कालीन अंचल अधिकारी अनिल कुमार सिंह के ऊपर आरोपी के आधार पर विभागीय कार्रवाई का फैसला दिया है। इस संबंध में कार्यकारी प्रशासनिक सुधार राजभाषा विभाग ने आदेश जारी किया है। उनके ऊपर राज्यसभा संबंधी अनियमित करने और अनुचित रूप से अनुचित रूप से कार्रवाई के आदेश की अवहेलना का आरोप है। और समाले पर राज्य, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने नौ अप्रैल, 2021 को कार्यालय की अनुरूपांश की थी। देवघर डीसी ने 25 मार्च, 2021 को प्रक पक करके कार्रवाई की काही को कहा है। रांची की न्यूनतम तापमान 12 डिग्री दर्ज किया गया था जिसमें भी गिरावट आ रही है। बुधवार को 10.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था काम की न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री दर्ज किया गया।

राष्ट्रीय नवीन मेल

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

लोगों की समस्याओं का समाधान आत्मीय भाव और संवेदनशीलता से करें : सीएम

○ मुख्यमंत्री ने पलामू व गढ़वा जिले में संचालित विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार पूरी संवेदना के साथ ग्रामीणों के हित की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए कार्य कर रही है। ये योजनाएं ग्रामीणों के बीच पहुंचे इसके लिये पदाधिकारी जिम्मेदार बनकर काम करें, उनके उम्मीदों पर खरा उतरें, ग्रामीणों को सम्पूर्ण करें ताकि ग्रामीण अधिकारियों के तरफ पर जिन्हें भेजा जा रहा है उनमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कानूनक तक पूर्ण मुख्यमंत्री वीएस येदुरप्पा और केंद्रीय जनतायारी कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को रखा गया है। गुजरात में नयी सरकार के गठन को लेकर के रणनीति बाने में जुटी है।

गुजरात के गृह विधियां और बड़े आदिवासी चर्चा के तौर पर जिस तरीके से अर्जुन मुंडा उम्र कर कर आये हैं, उसका काफी बीजोपी लेना चाही ही तकि गुजरात के जारीखंड में तैयारी के तौर पर भंजाया जा सके।

अभियान चलाकर 31 दिसम्बर तक योजनाओं से जोड़ें



जिला : गढ़वा और पलामू
दिनांक : 9 दिसंबर 2022

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ प्रबंधियों में सरकार की विभिन्न योजनाओं में अधिकारियों के बीच पहुंचे इसके लिये पदाधिकारी जिम्मेदार बनकर काम करें, उनके उम्मीदों पर खरा उतरें, ग्रामीणों को सम्पूर्ण करें ताकि ग्रामीण अधिकारियों के तरफ पर जिन्हें भेजा जा रहा है उनमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कानूनक तक पूर्ण मुख्यमंत्री वीएस येदुरप्पा और केंद्रीय जनतायारी कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को रखा गया है। गुजरात में नयी सरकार के गठन को लेकर के रणनीति बाने में जुटी है।

गुजरात के गृह विधियां और बड़े आदिवासी चर्चा के तौर पर जिस तरीके से अर्जुन मुंडा उम्र कर कर आये हैं, उसका काफी बीजोपी लेना चाही ही तकि गुजरात के जारीखंड में तैयारी के तौर पर भंजाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं में अधिकारियों के बीच पहुंचे इसके लिये पदाधिकारी जिम्मेदार बनकर काम करें, उनके उम्मीदों पर खरा उतरें, ग्रामीणों को सम्पूर्ण करें ताकि ग्रामीण अधिकारियों के तरफ पर जिन्हें भेजा जा रहा है उनमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कानूनक तक पूर्ण मुख्यमंत्री वीएस येदुरप्पा और केंद्रीय जनतायारी कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को रखा गया है। गुजरात के गठन को लेकर के रणनीति बाने में जुटी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं में अधिकारियों के बीच पहुंचे इसके लिये पदाधिकारी जिम्मेदार बनकर काम करें, उनके उम्मीदों पर खरा उतरें, ग्रामीणों को सम्पूर्ण करें ताकि ग्रामीण अधिकारियों के तरफ पर जिन्हें भेजा जा रहा है उनमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कानूनक तक पूर्ण मुख्यमंत्री वीएस येदुरप्पा और केंद्रीय जनतायारी कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को रखा गया है। गुजरात के गठन को लेकर के रणनीति बाने में जुटी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं में अधिकारियों के बीच पहुंचे इसके लिये पदाधिकारी जिम्मेदार बनकर काम करें, उनके उम्मीदों पर खरा उतरें, ग्रामीणों को सम्पूर्ण करें ताकि ग्रामीण अधिकारियों के तरफ पर जिन्हें भेजा जा रहा है उनमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कानूनक तक पूर्ण मुख्यमंत्री वीएस येदुरप्पा और केंद्रीय जनतायारी कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को रखा गया है। गुजरात के गठन को लेकर के रणनीति बाने में जुटी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं में अधिकारियों के बीच पहुंचे इसके लिये पदाधिकारी जिम्मेदार बनकर काम करें, उनके उम्मीदों पर खरा उतरें, ग्रामीणों को सम्पूर्ण करें ताकि ग्रामीण अधिकारियों के तरफ पर जिन्हें भेजा जा रहा है उनमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कानूनक तक पूर्ण मुख्यमंत्री वीएस येदुरप्पा और केंद्रीय जनतायारी कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को रखा गया है। गुजरात के गठन को लेकर के रणनीति बाने में जुटी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं में अधिकारियों के बीच पहुंचे इसके लिये पदाधिकारी जिम्मेदार बनकर काम करें, उनके उम्मीदों पर खरा उतरें, ग्रामीणों को सम्पूर्ण करें ताकि ग्रामीण अधिकारियों के तरफ पर जिन्हें भेजा जा रहा है उनमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कानूनक तक पूर्ण मुख्यमंत्री वीएस येदुरप्पा और केंद्रीय जनतायारी कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को रखा गया है। गुजरात के गठन को लेकर के रणनीति बाने में जुटी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं में अधिकारियों के बीच पहुंचे इसके लिये पदाधिकारी जिम्मेदार बनकर काम करें, उनके उम्मीदों पर खरा उतरें, ग्रामीणों को सम्पूर्ण करें ताकि ग्रामीण अधिकारियों के तरफ पर जिन्हें भेजा जा रहा है उनमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कानूनक तक पूर्ण मुख्यमंत्री वीएस येदुरप्पा और केंद्रीय जनतायारी कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को रखा गया है। गुजरात के गठन को लेकर के रणनीति बाने में जुटी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं में अधिकारियों के बीच पहुंचे इसके लिये पदाधिकारी जिम्मेदार बनकर काम करें, उनके उम्मीदों पर खरा उतरें, ग्रामीणों को सम्पूर्ण करें ताकि ग्रामीण अधिकारियों के तरफ पर जिन्हें भेजा जा रहा है उनमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कानूनक तक पूर्ण मुख्यमंत्री वीएस येदुरप्पा और केंद्रीय जनतायारी कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को रखा गया ह

ਚੁਨਾਵ ਨਤੀਜੇ : ਸਥਕੇ ਅਚੇ ਦਿਨ

भाजपा काग्रेस-आप सबका मतदाताओं ने खुश हान का मौका दिया है। बुधवार को दिल्ली में एमसीडी के चुनाव नतीजे और गुरुवार को हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा के नतीजे। इन तीनों चुनावों में तीन दल मुकाबले में थे। सबके हिस्से एक-एक जीत आयी है और तीनों को मुस्कुराने की वजह मिल गयी है। बुधवार सुबह जब एमसीडी के चुनाव नतीजे आना शुरू हुए, तब आम आदमी पार्टी ने भाजपा से जीत छीन ली। कांग्रेस तीसरे नंबर पर रही। माना जा रहा था कि आम आदमी पार्टी गुजरात में भी भाजपा का खेल बिंगाड़ सकती और कांग्रेस सब जगह खाली हाथ रह सकती है, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही। हालांकि, उसे 60 सीटों का बुक्सान हुआ है। आम आदमी पार्टी के अच्छे दिन इसलिए हैं, क्योंकि जिस राष्ट्रीय राजधानी से उसने पहले भूषाचार विरोधी आंदोलन के बाद राजनीतिक पदार्पण किया, वहां उसने 2013 के विधानसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया और 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत के साथ जीत हासिल की, लेकिन एमसीडी उसकी पहुंच से दूर थी। इस बार तीन नगर निगम का एकीकरण हुआ और 272 की जगह 250 सीटों पर चुनाव हुए। 134 सीटों पर जीत के साथ ही आम आदमी पार्टी ने भाजपा से उसका वह मजबूत गढ़ छीन लिया, जो 15 साल से उसके पास था। इतना ही नहीं, गुजरात में पार्टी को करीब 13 फीसदी वोट मिले। राज्य के 41 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने आप को वोट दिया। इस नतीजे के साथ ही आप का देश की नौवीं राष्ट्रीय पार्टी बनना तय हो गया।

दुनिया में आने से
पहले ही जान गंवा
देने वाले शिशुओं में
से साढ़े नौ लाख
बच्चों की मौत की बड़ी वजह हवा
में मौजूद दूषित कण पीएम 2.5
था। ‘नेचर कार्बनिकेशन’ पत्रिका
में छपे इस शोध के मुताबिक
गर्भवती महिला जब दूषित हवा में
सांस लेती है, तो गर्भानाल के
जरिये हवा में मौजूद कण
नवजात तक पहुंचते हैं। इससे
भ्रूण का स्वास्थ्य प्रभावित होता
है। इतना ही नहीं, दमघोट हवा
के संपर्क में रहने वाली मां के
शेरीर में पल रहे भ्रूण या शिशु
को पर्याप्त मात्रा में आकसीजन भी
नहीं मिल पाती है। ऐसे गर्भ के
भीतर शिशु का विकास तो
प्रभावित होता ही है,
कई बार दम भी घुट
जाता है।

य ह सच है कि विकास को गति देने के लिए संचार, परिवहन और उद्योग सभी आवश्यक हैं, मगर देश के नागरिकों के स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए बायु और संपूर्ण पर्यावरण को शुद्ध रखना भी उतना ही जरूरी है। दुनिया में पहली बार किये गये अपनी तरह के एक शोध में मानव जीवन के लिए खतरा बने प्रदूषण से जुड़ी डरावनी स्थितियां सामने आई हैं। भारत सहित दुनिया के एक सौ सैंतीस देशों में मां के गर्भ में ही जान गंवाने वाले पैतृलीस हजार शिशुओं पर हुए अध्ययन में यह सामने आया कि उनमें चालीस फीसद बच्चों की मौत का कारण हवा में मौजूद पीएम 2.5 कण था। शोध में शामिल देशों में वर्ष 2010 में 23.1 लाख, 2019 में 19.3 लाख शिशु जन्म से पहले ही मर गये थे। दुनिया में अने से पहले ही जान गंवा देने वाले शिशुओं में से

वजह हवा में मौजूद दूषित कण पीएम 2.5 था। 'नेचर काम्युनिकेशन' पत्रिका में छपे इस शोध के मुताबिक गर्भवती महिला जब दूषित हवा में सांस लेती है, तो गर्भनाल के जरिये हवा में मौजूद कण नवजात तक पहुंचते हैं। इससे ध्रूण का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। इतना ही नहीं, दमघांटू हवा के संपर्क में रहने वाली मां के शरीर में पल रहे ध्रूण या शिशु को पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन भी नहीं मिल पाती है। ऐसे गर्भ के भीतर शिशु का विकास तो प्रभावित होता ही है, कई बार दम भी घुट जाता है। यह स्थिति वार्कई चिंतनीय है। हाल के बरसों में दुनिया के हर हिस्से में वायु प्रदूषण बढ़ा है। हवा में घुलता जहर इंसान ही नहीं, धरती पर मौजूद हर प्राणी के लिए खतरा बन गया है। भारत के महानगरों में तो नवजात और बड़े होते बच्चे भी दमघांटू हवा के घेरे में अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार बन रहे हैं।

प्रिये गये एक शोध के अनुसार
भूमिया भर में हर साल 8.30 लाख
वज्रजात बच्चों की अकाल मौत का
कारण दूषित वायु है। दरअसल,
बढ़ता वायु प्रदूषण जीवन से जुड़े हर
हेस्से को प्रभावित कर रहा है। प्रदूषित
द्वाका का हृदय रोग, सांस संबंधी
वीमारियों और कैंसर के साथ गहरा
माता है। हवा में घुलता जहर हर आयु
वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य के लिए
यातक सिद्ध हो रहा है। बच्चों में बढ़
ते हैं कैंसर के मामलों की सबसे बड़ी
वज्रजह हवा में मौजूद हानिकारक तत्व
ही है। हवा में मौजूद प्रदूषित कणों के
बढ़ते से बच्चों का सहज विकास भी
प्रभावित होता है, जिसके चलते जन्म
के समय से ही बच्चों में शारीरिक-
मानसिक विकृति पैदा हो सकती हैं।
इनमें ही नहीं, हवा में घुलते जहर के
चलते महिलाओं में गर्भपात के
आंकड़े भी बढ़ते हैं। उल्लेखनीय है कि
द्वाका की गुणवत्ता और गर्भस्थ तथा

ई से जुड़े हैं। भारतीय विज्ञान अनुसंधान परिषद और नक हेल्थ फाउंडेशन आफ या, इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ मेट्रिक्स इवल्यूशन द्वारा कुछ साल पहले गये साझा अध्ययन 'ग्लोबल डिजीज' अध्ययन के अंकड़े बताते हैं कि पांच वर्ष से कम के बच्चों में वायु प्रदूषण फेफड़े अंकमण का अहम कारण बन रहा और तरबूत है कि भारत में आज भी नर रोग और निमोनिया बच्चों की की सबसे बड़ी वजह है। बच्चों अति संवेदनशील अंग हृद से बढ़े प्रदूषण की मार झेलने में मर्ह होते हैं। इसलिए वे जलदी ही व्याधियों का शिकार बन जाते हैं। न की बदलती जीवन-शैली में ए बाहर ही नहीं, घर के भीतर कम नहीं है। दोनों ही जगह वायु गर्भस्थ और नवजात बच्चों के घातक साबित हो रहा है। ठंडे

स्कूली बस्तों में क्या?

हा | ल ही में आई एक खबर ने सबको चौंकाया। बैंगलुरु के एक स्कूल में प्रिसिपल को शिकायत मिली कि बच्चे बैग में मोबाइल रख फोन छिपाकर ला रहे हैं। बैग चेक करवाए तो सबकी आंखें फटी रह गईं। 8वीं, 9वीं और 10वीं क्लास के स्टूडेंट्स के बैग में कंडोम, गप निरोधक गोलियां, लाइटर, सिगरेट, वाइटनर जैसी चीजें निकलीं। पानी की बोतलों में सराब थी। कुछ स्कूलों ने पैरंट्स को स्कूल बुलाया और उनसे बात की। ज्यादातर ने कहा कि बच्चों के साथ बैठकर बात करेंगे इससे ज्यादा वे बोल भी नहीं सकते थे। आखिर उनसे किसी ने पूछा भी नहीं होगा कि अब तक बात नहीं कर रहे थे क्या! आपको इस खबर से हैरानी हो सकती है, मुझे नहीं हुई। इसलिए कि यह नई बात नहीं है। 2004 में दिल्ली के एक स्कूल में हुआ एमएमएस कांड सबको याद होगा। मोबाइल फोन में कैमरा और ब्लूटूथ आने लगे थे। स्कूली बच्चों के बीच क्या चल रहा था, यह कैमरे में आ गया था। आप कहेंगे विषय मोबाइल फोन आने से बच्चों पर खराब असर पड़ने लगा। ऐसा भी नहीं है। उससे पीछे चलते हैं। मैं अपनी आठवीं क्लास की बात करता हूँ। 1995-96 के आसपास वीसीआर का चलन था। हम छोटे शहरों के बच्चे

दो-तीन महीने में एक बार केवल तभी वीसीआर पर फिल्में देख पाते थे, जब कोई किराए पर इसे लाता था। लेकिन दिल्ली में तब घर में वीसीआर/वीसीपी रखे जाने लगे थे। मैं कभी छुट्टियों में आता था तो मेरी उम्र के ही बच्चों के पास ऐसा कुछ देख लेता था कि बुरझुरी छूट जाती थी। जैसे एक बार मुझे पता चला कि यहां तो ४वीं-७वीं क्लास के बच्चे अडल्ट या पोर्न फिल्मों की विडियो कैसेट तक अपने बैग में लेकर स्कूल चले जाते हैं। ये कैसेट साइज में एक किटाब जितनी बड़ी होती थीं, उसके बावजूद उनको इसे बैग में रखते बघराहट नहीं होती थी। स्कूल में ये एकसंचेंज की जाती थीं। यह बताने का मकसद केवल इतना है कि इस उम्र में बच्चों की जिजासाएं क्या होती हैं। हो सकता है अब वे और कम उम्र में आने लगी हों। लेकिन आप सोचिये कि समस्या का पाता होने के बाद भी हमारी शिक्षा प्रणाली और पैरांट्स के बच्चों के साथ व्यवहार में क्या बदलाव आया है। क्या इन दोनों में से किसी ने इस समस्या को खत्म करने के लिए कोई खास कदम उठाया? सेक्स एजुकेशन पर कोई बात होती है तो विरोध के स्वर पहले सुनाई देने लगते हैं।

■ लालत पमा

ਬਢ੍ਹਤੀ ਆਬਾਦੀ, ਗਹਦਾਤਾ ਖਾਈ ਸੰਕਟ

भ यह है कि दुनिया भर में भुखमरी का अंगभीर संकट मंडरा रहा है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का कहना है कि खाद्य समस्या का मुख्य कारण सिर्फ खाद्य पदार्थों का अभाव नहीं, बल्कि लोगों की क्रयशक्ति में कमी है। दुनिया की आबादी आठ अरब को पार कर चुकी है। मात्र तेरेस साल की अवधि में दुनिया की आबादी दो अरब बढ़ गई। आने वाले दशकों में क्षेत्रीय असमानताओं के साथ जनसंख्या बढ़ती रहेगी। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 2030 तक यह आबादी साढ़े आठ अरब, 2050 तक 9.7 अरब और 2100 तक 10.4 अरब तक पहुंच सकती है। आबादी के मामले में भारत अगले साल तक चीन को पीछे छोड़ देगा। वह पहले नंबर का सबसे बड़ी आबादी वाला देश हो जायेगा। भारत की जनसंख्या अभी 1.04 फीसद की सालाना दर से बढ़ रही है। अहम सवाल यह है कि जिस रफ्तार से जनसंख्या बढ़ रही है, इतनी बड़ी जनसंख्या का आने वाले समय में पेट कैसे भरा जायेगा। क्योंकि जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, जल आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ी कर रहा है। दुनिया के अधिकांश देश आज जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनमें खाद्य सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती है। आज जिस तरह विश्व की आबादी बढ़ रही है, उसी हिसाब से प्राकृतिक संसाधनों पर भी स्पष्ट रूप से दबाव पड़ रहा है। आज पूरी दुनिया के लिए बड़ी आबादी और सिकुड़ते संसाधन एक अभिशाप हैं, क्योंकि जनसंख्या के अनुपात में संसाधन सीमित हैं। यही वजह है कि करीब आठ अरब की आबादी का

जाझ जाता हूँ वृद्धा जनसंख्या से न पहुँचका समस्याओं के निदान की बाट जोह रही है। पूरी दुनिया की आबादी में अकेले एशिया की इक्सट फीसद हिस्सेदारी है। यही भारत को दुनिया की महाशक्ति बनने में सभसे बड़ी बाधा है। फिलहाल भारत की जनसंख्या विश्व जनसंख्या का अठारह फीसद है। भूभाग के लिहाजे के हमारे पास 2.5 फीसद जमीन और चार फीसद जल संसाधन है। ऐसे में तेजी से बढ़ती जनसंख्या देश की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं की जननी बन कर देश के सामने खतरे की घंटी बन सकती है। आज जनसंख्या वृद्धि देश की हर समस्या का मूल कारण बनती जा रही है। गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, अपराध, स्वच्छ जल की कमी आदि के पीछे भी जनसंख्या वृद्धि एक बड़ा कारण है। इतना ही नहीं, देश में जमीन के कुल साठ फीसद हिस्से पर खेती होने के बावजूद करीब बीस करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। साफ है, जनसंख्या विस्फोट से संसाधनों की अपर्याप्ति के कारण उत्पन्न हुई समस्याओं का असर सब पर पड़ रहा है। चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो। अभी भारत की आबादी 1.39 अरब है। बढ़ती जनसंख्या के चलते कृषि योग्य भूमि पर भी अतिक्रमण हो रहा है। खेती योग्य जमीन घट रही है, खाने वाले लोग बढ़ रहे हैं। ऐसे में सभी के लिए कृषि से भोजन उपलब्ध कराना एक नई चुनौती होगी। यह विडंबना ही है कि आजादी के बाद देश खाद्यान्व के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, बल्कि आज कृषि भूमि के अन्य उपयोगों में तेजी से परिवर्तन हो रहा है, किसान कृषि से दूर हो रहे हैं, जिससे भारत में खाद्य सुरक्षा के लिए

जाता यह तकनी है। बृतान नून का छाल नारा के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को भी प्रभावित कर रहा है। हालांकि, इस दौरान सरकार द्वारा बंजर भूमि को कृषि योग्य भूमि में बदलने में कुछ सफलता मिली है, बावजूद इसके, यह भी एक तथ्य है कि हमारे देश में खेती योग्य भूमि साल-दर-साल घट रही है। 'वेस्टलैंड एटलस 2019' के मुताबिक, पंजाब जैसे कृषिप्रधान राज्य में चौदह हजार हेक्टेयर और पश्चिम बंगाल में बासठ हजार हेक्टेयर खेती योग्य भूमि घट गई है। वहीं, सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा सबसे अधिक खतरनाक लग सकता है, जहां हर साल विकास कार्यों पर अड़तालीस हजार हेक्टेयर कृषि भूमि घटती जा रही है। गौरतलब है कि 1992 में ग्रामीण परिवारों के पास 11.7 करोड़ हेक्टेयर भूमि थी, जो 2013 तक घट कर केवल 9.2 करोड़ हेक्टेयर रह गई। जाहिर है कि महज दो दशक में 2.2 करोड़ हेक्टेयर भूमि ग्रामीण परिवारों के हाथ से निकल गई। अगर यही सिलसिला जारी रहा तो कहा जा रहा है कि अगले साल तक भारत में खेती का रक्कड़ा आठ करोड़ हेक्टेयर ही रह जायेगा। यह ठीक है कि जनसंख्या नियंत्रण के नाम पर कई योजनाएं बनीं, मगर वे सफल नहीं हो सकीं। जनसंख्या के लिए एक राष्ट्रीय नीति बहुत जरूरी है। बेतहाशा बढ़ती जनसंख्या देश के विकास को प्रभावित कर रही है। बड़ी जनसंख्या तक योजनाओं के लाभों का समान रूप से वितरण संभव नहीं हो पाता, जिसकी वजह से हम गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से दशकों बाद भी उबर नहीं सके हैं।

III - 11

संपादक के नाम पाठकों की पाती बाइक पार्किंग की व्यवस्था हो

श हर में कई क्षेत्रों में रोज दिन कहीं न कहीं निर्माण हो रहा है। ऐसे में शहर नये युग प्रवेश कर रहा है। पहले हम बड़े शहरों में ही मॉल देखा करते थे। अब हमारे शहर में भी मॉल बन रहे हैं। लेकिन शहर में कई क्षेत्र रोज दिन जागरी की चपेट में आते रहते हैं। प्रशासन के द्वारा जाम को लेकर प्रतिदिन बाहुदर्घि अभियान चलाया जा रहा। बाजार की सड़कों के बीच जो लोग अपने बाइक को लगा रहे हैं उसे प्रशासन के लोग धाना ले जा रहे हैं और उसे पर जुर्माना लगाया जा रहा है। लोगों का कहना है कि शहर में पार्किंग की व्यवस्था नहीं गाड़ी को लगाये तो कहा लगायें। प्रशासन के द्वारा जाम का लेकर चलाये जा रहे अभियान सही है। लेकिन इसके साथ बाइक के लिए प्रशासन पार्किंग की व्यवस्था करें। ऐसे में शहर में बाइक पार्किंग की बहुशिष्टत के साथ जरूरत महसूस की जा रही है। शहर में अधिकांश सड़क बाइक व अन्य दो पहिया वाहनों के कारण जाम रहते हैं। अगर इन बाइकों के लिए शहर में एक उचित जगह देखकर उनका पार्किंग स्थल बना दिया जाये तो शहर को जाम से मुक्ति मिल सकती है। ज्ञात हो कि शहर में रोज दिन गांव से सैकड़ों की संख्या में लोग बाइके से आते हैं। मैं आपके लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र राष्ट्रीय नवीन मेल के माध्यम से प्रशासन व निगम रंगीन रेते रखते हैं।

100

आप की ऐतिहासिक जीत, पर माजपा का वोट थेयर बढ़ा

ए मरीपी चुनाव में बीजेपी को आम आदमी पार्टी के बीच काटे की टक्कर देखने को मिली लेकिन आखिरकार आप ने कड़े मुकाबले में बाजी मार ली। यह ऐतिहासिक जीत भी कहा जायेगा तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। दिल्ली एमसीडी में 250 वार्ड हैं। एमसीडी चुनाव में आप को 134, भाजपा को 104, कांग्रेस को 9 और निर्दलीय के खाते में 3 सीटें प्राप्त हुईं। चुनाव में क्या मुद्दे चले, इतनी काटे की टक्कर क्यों देखने को मिली इसे सीटों के रुझान से कहीं ज्यादा वोटशेयर के आंकड़ों से समझ सकते हैं। आम आदमी पार्टी का वोटशेयर पिछले चुनाव के मुकाबले जबरदस्त ढंग से बढ़ा है लेकिन बीजेपी का भी वोटशेयर बढ़ा है। दिल्ली एमसीडी इलेक्शन के नतीजों पर सिर्फ दिल्ली नहीं बल्कि देशभर की निगाहें हैं। तभी तो दिल्ली स्टेट इलेक्शन कमिशन की आधिकारिक साइट और आधिकारिक ऐप जबरदस्त ट्रैफिक को झेल नहीं पाए और बार-बार क्रैश हो रहे थे। वोटशेयर पर नजर डालें तो आम आदमी पार्टी का वोटशेयर 42.05 प्रतिशत है जो पिछली बार के मुकाबले 16 प्रतिशत ज्यादा है। बीजेपी का वोट शेयर 39.09 प्रतिशत रहा जो पिछली बार के मुकाबले 3 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, कांग्रेस की बात करें तो उसका वोटशेयर 11.68 प्रतिशत है जो पिछले चुनाव के मुकाबले करीब 10 प्रतिशत कम है। कांग्रेस का वोटशेयर और

अंत हो गया। वैसे बीजेपी हारी जरूर लेकिन वोटेशेयर पर नजर डालेंगे तो अलग पहलू सामने आयेगा। प्रिछली बार के मुकाबले बीजेपी का वोटेशेयर 3 प्रतिशत बढ़ा है। 2017 में एमसीडी तीन हिस्सों में बीटी थी। कुल वॉर्ड 272 थे। इनमें से बीजेपी ने 181, आप आदपी पार्टी ने 49 और कांग्रेस ने 31 सीटों पर जीत हासिल की थी। अगर वोटेशेयर की बात करें तो बीजेपी को 36 प्रतिशत, आप को 26 प्रतिशत और कांग्रेस को 21 प्रतिशत वोट मिले थे। **सफाई का मुद्दा भाजपा का सिरदर्द बन गया :** दिल्ली एमसीडी चुनाव में इस बार आप आदपी पार्टी ने सफाई का मुद्दा मजबूती के साथ उठाया। पार्टी के नेताओं ने वॉर्ड-वॉर्ड जाकर यह बताया कि यदि निगम में उनको मौका मिलेगा तो इससे दिल्लीवालों को इस दिक्कत से निजात मिलेगी। एक ओर आप इस मुद्दे पर बीजेपी पर हमलावर थी तो वहाँ बीजेपी इस मुद्दे पर बैकफुट पर थी। बीजेपी को इस मुद्दे पर बैकफुट की बजाय फ्रंटफुट पर खेलने की जरूरत थी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता अभियान की देशव्यापी शुरूआत की। इसकी तारीफ देश-विदेश में हुई। निगम पर बीजेपी का कब्जा था इस दिशा में निगम की ओर से सही काम किया जाता तो आज उसे बचाव की मुद्रा में नहीं आना पड़ता।

- क्रमाण्डः

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं डीबी प्रिंट सौल्युशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लि.) प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुट्टवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखण्ड में मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेडमा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25 निचली मंजिल वानसेन मार्ग (बंगली बाजार), नयी दिल्ली-1 ई-मेल : rpm_bh@yahoo.co.in, rpm_bh@gmail.com (*पैरामार्की अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।)



KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More "

छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट



- ❖ आरसीटी
- ❖ पायरिया का ईलाज
- ❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- ❖ स्मार्फिल डिजाइन
- ❖ इनविजिवल क्लिप

- ❖ दंत रोपण
- ❖ फिक्स दाँत लगाना
- ❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

सोनिया गांधी के जन्मदिन पर पीएम सहित कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। साइबर अटैक से देश के न्यूकिलियर पावर प्लांट सिस्टम्स (परमाणु ऊर्जा) को बचाने के लिए सिक्योरिटी सिस्टम बनेंगे। इसकी जानकारी केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेन्द्र प्रियंका ने राजसभा में जन्मदिन उत्साह पूर्वक मनाया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष और विरला सहित कांग्रेस के कई दिग्जेट नेताओं ने सोनिया गांधी को जन्मदिन की बधाई दी है। ऐसी सूचना है कि, सोनिया गांधी राजस्थान के साइबर प्लांट में शामिल होने की संभवता है। सोनिया गांधी की जन्मदिन की बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रैटी कर दिया, सोनिया गांधी याद्वा के राजस्थान के कोटा में भारत जोड़ा यात्रा में शामिल होने की संभवता है। सोनिया गांधी की जन्मदिन की बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रैटी कर दिया। सोनिया गांधी जी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं। इश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूँ।

बदल गया केसीआर की पार्टी टीआरएस का नाम

हैदराबाद (एजेंसी)। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) का नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) करना औपचारिक रूप से स्वीकृत कर लिया। आयोग सचिवालय के विरुद्ध प्रधान सचिव केसर भरे ने टीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चर्देशेखर राव को लिखे पत्र में टीआरएस महासचिव जे संतोष कुमार के 05 अक्टूबर, 2022 के पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि आयोग ने पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति से बदलकर भारत राष्ट्र समिति करने के आग्रह को स्वीकृत कर लिया है। केसीआर ने कहा कि इस सभा में आवश्यक अधिसचिवालय यथासमय जारी की जाएगी। केसीआर ने पार्टी नेताओं को शुक्रवार को दोपहर एक बजकर 20 मिनट पर औपचारिक रूप से पार्टी का नाम बदलकर भीआरएस करने के लिए आयोग समारोह के लिए व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया। इसके पहले टीआरएस ने चुनाव आयोग को तेलंगाना भवन में पांच अक्टूबर को आयोजित आम सभा की बैठक में राष्ट्रीय पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) शुरू करने के बारे में अवगत कराया था। इसके लिए बैठक में एक संविधान में आवश्यक संशोधन भी किए गए। टीआरएस की स्थापना 27 अप्रैल, 2001 को के चंदशेखर राव द्वारा की गई थी। अब पार्टी का नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) कर दिया गया है।

भारत न केवल अमेरिका का एक सहयोगी, बल्कि एक बड़ी ताकत बनकर उभेरेगा : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन (एजेंसी)। व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारी कर्ट कैपबेल ने कहा कि भारत न केवल अमेरिका का एक सहयोगी, बल्कि एक बड़ी ताकत बनकर उभेरेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध जितनी तेजी से मजबूत हुए हैं, वैसे किसी भी अन्य द्विपक्षीय संबंध के साथ नहीं हुए। एस्पेन सिक्योरिटी फोरम की व्हाइट अमेरिका एक बैठक में भारत के संदर्भ में किए एक सवाल के जवाब में व्हाइट हाउस के शार्फ



हाउस के एशिया मामलों के समन्वयक कैपबेल ने कहा कि उनका मानना है कि 21वीं सदी में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंध अमेरिका का एक बैठक में भारत के संदर्भ में किए हैं। व्हाइट हाउस के शार्फ

राष्ट्रपति ब्रॉपदी मुर्मू ने राज प्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर में किया रुद्राभिषेक

अधिकारी ने कहा, वह एक तथ्य है कि मैंने पिछले 20 साल में अमेरिका और भारत जैसे कोई द्विपक्षीय संबंध नहीं देखे जो इन्हीं तेजी से गहरे एवं मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपनी क्षमता का ओर इस्तेमाल करने की जरूरत है और प्रैयोगिकी व अन्य मुद्रों पर एक साथ काम करते हुए लोगों के बीच आपसी संर्पक कायम करने की आवश्यकता है। कैपबेल ने कहा, भारत के बैठक अमेरिका का एक सवाल के जवाब में व्हाइट हाउस के शार्फ

इंजीनियरिंग कॉलेज, मंगलुरु ने अपने आधिकारिक हैंडल से ट्रैटी किया - सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो विलप में मुख्यमंत्री समुद्रवर के छात्रों द्वारा नुच्छा का एक दिस्सा लिया गया है, जो अनोन्यारिक भाग के दौरान मंच पर आ गए थे। वह स्वीकृत कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था और इसमें शामिल छात्रों को लोकतांत्रिकी के लिए दिया गया है। कॉलेज एसी भी गतिविधि का समर्थन या समर्थन नहीं करता है जो समुदायों और सभी के बीच सङ्घरक्षण का नुकसान पहुंचा सकती है। प्रभारी प्राचार्य सुधर एम ने भी इस पर मीडिया को बयान जारी किया।

कर्नाटक के कॉलेज में चार छात्राओं ने बुर्का पहन किया डांस, सर्स्पेंड



मंगलुरु (एजेंसी)। एक अधिकारी ने कहा कि कर्नाटक के एक कॉलेज के चार छात्रों

से पांच तक लंबे, ढोते कपड़े पहने हुए थे, जिसके बाद हंगामा शुरू हो गया। सेंट जोसेफ

भारत संग रिश्तों पर पाकिस्तान ने दिखाई आंख तो तालिबान ने निकाला तोड़

काबूल (एजेंसी)। अफगानिस्तान और भारत के बीच रिश्तों पर लगातार अंतर्वेदी दिखा रहे हैं। पाकिस्तान को तालिबानी सरकार बड़ा झटका देने जा रही है। तालिबान सरकार के

■ तालिबान ने व्यापार के लिए ईरान ने भारत के बनाए चाबहार पोर्ट के इस्तेमाल का किया समर्थन

पाकिस्तान ने भारत के गेहूं को भेजने पर किया था नाटक भारत ने हाल ही में चाबहार पोर्ट के लिए 6 मोबाइल हार्डर फ़ोन दिए हैं जिनकी क्षमता 140 टन से लेकर 100 टन तक है। इसके अलावा 2.5 करोड़ डॉलर के अन्य उपकरण भी दिए गए हैं। इसके बदलावान का पहले भेजने के लिए दिसंबर 2019 के अंत तक ईरान ने भारतीय मदद भेजने के लिए किया था जुका। इसके बाद नाटक भारत के अफगानिस्तान को भेजा था। इसके बाद नाटक भारत के अफगानिस्तान को गेहूं को भेजने पर बहुत नाटक किया गया। हालांकि तालिबान के बाबत में आकर उसके लिए दिसंबर 2018 में भारतीय कंपनी इडिया पोर्टर्स ग्लोबल लिमिटेड ने पूरे पोर्ट का कार्यभार संभाल लिया था। चाबहार पोर्ट 215 मालवाहक जहाजों और 40 लाख टन सामान का एक जहाज से दूसरी गेहूं को पूकर सिंह धारी मैजूद रहे।

तालिबानी विदेश मंत्रालय ने चाबहार पोर्ट के उत्तर-दक्षिण अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर में शामिल किए जाने का 'स्वामरण' किया है। तालिबान का बह बयान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभल के मध्य पर्शियां देखने के साथ अब बैठक से ठीक पहले आया है। उत्तर दक्षिण अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर भारत की अधिक राजधानी मुंबई को रूस की राजधानी मास्को से से जोड़ने के लिए दिसंबर 2018 के अंत तक तालिबान के बाबत में आकर उसके लिए दिसंबर 2018 में भारतीय कंपनी इडिया पोर्टर्स ग्लोबल लिमिटेड ने पूरे पोर्ट का कार्यभार संभाल लिया था। चाबहार पोर्ट 215 मालवाहक जहाजों और 40 लाख टन सामान का एक जहाज से दूसरी गेहूं पर भेजा जा रहा है। तालिबान ने चाबहार पोर्ट पर यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब चाहाता है कि अफगानिस्तान के आधारभूत ढांचे के पुरानीर्माण के लिए भारतीय निवेश फ़िर से शुरू हो सके।

अजरबैजान से होकर जाता है।

विदेश न्यूज के मुख्यांकित तालिबानी बयान में कहा गया है कि वह इस दिसंबर में भारतीय मदद भेजने के लिए किया था जुका। इसके बाद नाटक भारत के अफगानिस्तान को भेजा था। इसके बाद नाटक भारत के अफगानिस्तान को भेजा था। विदेश न्यूज के मुख्यांकित तालिबानी बयान में कहा गया है कि वह इस दिसंबर में भारतीय मदद भेजने के लिए किया था। इसके बाद नाटक भारत के अफगानिस्तान को भेजा था। विदेश न्यूज के मुख्यांकित तालिबानी बयान में कहा गया है कि वह इस दिसंबर में भारतीय मदद भेजने के लिए किया था। इसके बाद नाटक भारत के अफगानिस्तान को भेजा था। विदेश न्यूज के मुख्यांकित तालिबानी बयान